मापन (Measurement)

③ परिभाषा →

① करलिंगर के अनुसार - मापन नियमानुसार वस्तु / घटनाओं को संख्या प्रदान करना है।

② ई० बी० वैस्ले - मापन, मूल्यांकन का वह भाग है जो प्रतिशत, मात्रा, अंकों के द्वारा किया जाता है।

③ कैम्पबेल - नियमों के अनुसार वस्तुओं या घटनाओं को प्रतीकों में व्यक्त करना मापन है।

④ थार्नडाईक - जो कुछ भी अस्तित्व में है, इसका अस्तित्व कुछ परिणाम में होता है।

⑤ एस० एस० स्टीवेन्स - मापन किन्ही निश्चित स्वीकृत नियमों के अनुसार वस्तुओं के अंक प्रदान करने की प्रक्रिया है।

⑥ ब्रेड फिल्ड तथा मोरडॉक - मापन के द्वारा किसी तथ्य के विभिन्न आयामों को प्रतीक प्रदान करना ही मापन कहलाता है।

⑦ हैल्मसटेडर - मापन को एक प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें किसी व्यक्ति या पदार्थ में निहित विशेषताओं का आंकिक वर्णन होता है।

② अवधारणा → (Concept) - जब किसी बालक के केवल ज्ञानात्मक व्यवहार की जाँच की जाती है अर्थात् केवल परिमाण का बोध होता है। उसे मापन कहते है।

मापन अंक प्रदान करता है जैसे राम के गणित में 60 अंक है।

Scanned with CamScanner

मापन के प्रकार →

① गुणात्मक ↓ व्यक्ति के गुणों का मापन किया जाता है।

② मात्रात्मक ↓ ~~लिंग~~, ~~विषय~~

① मापन का अर्थ → (Meaning of Mesurement) →

* मापन एक ऐसा प्रत्यय है जो अत्यंत प्राचीन काल से दैनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बहुतायत रूप में प्रयोग किया जाता है।
* सामान्यत: व्यक्ति अपने जीवन से सम्बंधित कार्यों को करने के दौरान अनेक बार औपचारिक ढ़ंग से मापन करता है।
* उदाहरण → वस्त्र विक्रेता कपड़ा मापता है, दूध विक्रेता दूध नापता है, फल विक्रेता फल तौलता है, डॉक्टर शरीर का तापमान मापता है आदि मापन के उदाहरण है
* मापन किसी वस्तु का शुद्ध व वस्तुनिष्ठ रूप से वर्णन करता है। किसी भौतिक पदार्थ के गुण व विशेषताओं के परिणाम अंकात्मक रूप देने की क्रिया को मापन कहते है।

Scanned with CamScanner

(4) मापन के प्रकार (Types of Measurement) → (2) प्रकार

(1) गुणात्मक (2) मात्रात्मक

(1) गुणात्मक मापन → किसी वस्तु, प्राणी, घटना अथवा क्रिया की विशेषताओं को गुणों के रूप में देखने समझने को गुणात्मक मापन कहते हैं।

(व्यक्ति के गुणों का मापन किया जाता है)

उदाहरण → किसी बालक के नैतिक गुणों का मापन करना
किसी बालक के सामाजिक गुणों का मापन करना

(2) मात्रात्मक → किसी वस्तु, प्राणी आदि की मात्रा को मापा जाता है।

उदाहरण → वजन, भार, लम्बाई, आदि

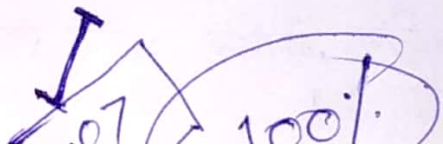

मूल्यांकन (Evaluation) → मूल्यांकन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'मूल्य' और 'अंकन' इस प्रकार मूल्यांकन का शाब्दिक अर्थ हुआ छात्र के गुण-दोषों की व्याख्या करके उसके सम्बन्ध में, उचित निर्णय करना अथवा उसके यथार्थ मूल्य का निर्धारण करना।

मूल्य + अंकन = मूल्यांकन

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके आधार पर हम किसी छात्र के ज्ञान का आकलन करते हैं। मूल्यांकन के द्वारा ही छात्र की किसी विषय में कमियों, उसकी किसी विषय के प्रति रुचि और उसकी प्रतिभा का आकलन किया जाता है।

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा किसी कार्य का मूल्य निश्चित किया जाता है। मूल्यांकन में व्यक्ति / छात्र के शारीरिक, मानसिक, नैतिक और सामाजिक आदि सभी गुणों की परीक्षा सम्मिलित रहती है।

मूल्यांकन की परिभाषा (Definition of Evaluation) →

क्विलिन व हन्ना के शब्दों में "छात्रों के व्यवहार में विद्यालय द्वारा लाए गये परिवर्तनों के विषय में प्रमाणों के संकलन और उसकी व्याख्या करने की प्रक्रिया ही मूल्यांकन है।"

एस० एन० इन्डेकर के अनुसार - "मूल्यांकन की परिभाषा एक व्यवस्थित रूप में की जा सकती है जो इस बात को निश्चित करती है कि विद्यार्थी किस सीमा तक उद्देश्य प्राप्त करने में समर्थ रहा।"

ली के अनुसार - "विद्यालय कक्षा और स्वयं छात्र द्वारा निर्धारित किये गये शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति में छात्र की प्रगति की जाँच ही मूल्यांकन है।

Scanned with CamScanner

ग्रीन एवं अन्य के अनुसार- "मूल्यांकन की धारणा अभी शिक्षा के लिए अपेक्षाकृत नवीन है। इस शब्द का प्रयोग विद्यालय कार्यक्रम, पाठ्यक्रम, शिक्षा सामग्री, शिक्षक की जाँच और छात्र के लिए सम्मिलित रूप से किया जाता है।"

ब्रेकफील्ड तथा गोरडोक के अनुसार- "मूल्यांकन किसी सामाजिक, सांस्कृतिक, अथवा वैज्ञानिक मानदण्ड के सन्दर्भ में किसी घटना को प्रतीक आबंटित करना है जिससे उस घटना का मूल्य अथवा महत्व ज्ञात किया जा सके।

मूल्यांकन का उद्देश्य → (Objective of Evaluation) →

① छात्रों की वृद्धि तथा विकास में सहायता करना।
② छात्रों की वृद्धि व विकास में आये अवरोधों की जानकारी प्राप्त करना।
③ छात्रों की व्यक्तिगत भिन्नता को जानना।
④ शिक्षण प्रभावशीलता को ज्ञात करना।
⑤ छात्रों को अधिगम हेतु प्रेरित करना।
⑥ पाठ्यक्रम में सुधार हेतु आधार तैयार करना।

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन की विशेषताएँ (characteristics of Evaluation) →

① मूल्यांकन की प्रक्रिया में वे सभी व्यक्ति भाग लेते हैं जिनके द्वारा यह संचालित की जाती है।

② मूल्यांकन निरन्तर चलती रहती है।

③ मूल्यांकन निदानात्मक होता है। इसके द्वारा बालक की वर्तमान दशा में सुधार किया जाता है।

④ मूल्यांकन में श्रम, धन और समय की अधिक आवश्यकता होती है।

⑤ मूल्यांकन में कई परीक्षाओं का समावेश होता है।

⑥ मूल्यांकन में सार्थकता के साथ भविष्यवाणी भी की जा सकती है।

⑦ यह शिक्षा प्रणाली का अभिन्न एवं आवश्यक अंग है।

⑧ मूल्यांकन अगले स्तर के लिए आधार प्रस्तुत करता है तथा व्यापक रूप से सूक्ष्मतः प्रगति का भी ज्ञान करता है।

Scanned with CamScanner